GE (क) राजनीतिक दार्शनिक विचारक एवं मीडिया (4)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE (क) **राजनीतिक दार्शनिक विचारक एवं मीडिया**	4	3	0	1	12th Pass	Nil

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- भारत के प्रमुख राजनीतिज्ञों के योगदान की जानकारी प्रदान करना।
- जनसंचार माध्यमों में राजनीतिक-दर्शन और घटनाओं की उपस्थिति से अवगत कराना।
- स्वतंत्रता-पूर्व और स्वातंत्र्योत्तर पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित राजनीतिक-सांस्कृतिक सामग्री का मूल्यांकन करना।
- प्रमुख राजनीतिक दार्शनिकों, पत्रकारों के योगदान का परिचय देना।

Course Learning Outcomes

- भारत की सामाजिक-सांस्कृतिक गतिविधियों की समझ विकसित होगी।
- भारत-निर्माण में मीडिया की भूमिका की जानकारी प्राप्त होगी।
- समय और घटना-विशेष के संदर्भ में पत्र-पत्रिकाओं एवं पत्रकारों का योगदान रेखांकित हो सकेगा।
- भारत-बोध विकसित होगा।

1. राजनीति और मीडिया 10 घंटे

- भारत में राजनीति और मीडिया का अंतःसंबंध : मूल्य, व्यक्ति विशेष और सत्ता समीकरण के रूप में
- प्रमुख राजनीतिक दर्शन और मीडिया : संक्षिप्त परिचय (स्वाधीनता, सर्वोदय, स्वदेशी, अंत्योदय, लोकतंत्र)
- लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में मीडिया पर प्रमुख राजनीतिक दार्शनिकों के विचार

2. स्वतंत्रता-पूर्व राजनीतिक दर्शन और मीडिया **10 घंटे**

- स्वाधीनता, स्वराज्य का विचार तथा हिंदी पत्रकारिता में उसके स्वरूप का अध्ययन (1857 का स्वाधीनता संघर्ष, बंग-भंग आंदोलन, ख़िलाफ़त आंदोलन तथा पूर्ण स्वराज्य)
- पुनर्जागरण का दर्शन और हिंदी पत्र-पत्रिकाएं (बालाबोधिनी, हिंदी प्रदीप तथा सरस्वती के विशेष संदर्भ में)
- साहित्य, पत्रकारिता तथा फिल्मों में स्वतंत्रता-पूर्व भारत बोध का स्वरूप

3. स्वातंत्र्योत्तर राजनीतिक घटनाक्रम और मीडिया **10 घंटे**

- राष्ट्र निर्माण के लक्ष्य में मीडिया की भूमिका , क्रांति चेतना और मीडिया
- स्वातंत्र्योत्तर भारत के प्रमुख घटनाक्रम और हिंदी मीडिया : साम्राज्यवाद और सर्वसत्तावाद (विशेष संदर्भ- 1962 का भारत-चीन युद्ध तथा आपातकाल)
- मीडिया पर नव-उदारवादी व्यवस्था का प्रभाव

4. प्रमुख राजनीतिक दार्शनिक **15 घंटे**

- राममोहन राय, भारतेंदु हरिश्चंद्र, महावीर प्रसाद द्विवेदी
- बाल गंगाधर तिलक, गणेश शंकर विद्यार्थी, महात्मा गांधी
- भीमराव अंबेडकर, दीनदयाल उपाध्याय, सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'

प्रायोगिक कार्य : **30 घंटे**

- प्रमुख राजनीतिक दार्शनिकों द्वारा मीडिया पर किए गए विचारों का संकलन और लेखन
- ऊपर वर्णित राजनीतिक दर्शनों के संदर्भ में तत्कालीन पत्र-पत्रिकाओं में छपी सामग्री पर रिपोर्ट लेखन
- प्रमुख राजनीतिक दार्शनिकों का मीडियाकर्मी के रूप में दिए गए योगदान पर परियोजना-कार्य
- भारत-बोध में मीडिया के योगदान पर समूह-चर्चा, निबंध लेखन
- प्रमुख राजनीतिक-दार्शनिकों, क्रांतिकारियों द्वारा संपादित पत्र-पत्रिकाओं की तथा उनसे जुड़े स्थानों, स्मारकों और उन पर केंद्रित फिल्मों की सूची का निर्माण

सहायक पुस्तकें :

1. समाज और राजनीति का दार्शनिक अध्ययन, डॉ. ज्ञानंजय द्विवेदी, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ
2. हिंदी पत्रकारिता का बृहद इतिहास, डॉ. अर्जुन तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिंदी पत्रकारिता का इतिहास, जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
4. अंतर्वेद प्रवर गणेश शंकर विद्यार्थी, अमित राजपूत, लोकोदय प्रकाशन
5. राजा राममोहन राय, विजित कुमार दत्त, नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया
6. भारतेन्दु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण की समस्याएं, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण , रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
8. पं. दीनदयाल उपाध्याय : कर्तृत्व एवं विचार, डॉ. महेशचंद्र शर्मा, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
9. राष्ट्र निर्माताओं की पत्रकारिता, कृपाशंकर चौबे, प्रलेक प्रकाशन, मुंबई
10. पत्रकार डॉ. भीमराव अंबेडकर, सूर्यनारायण रणसुभे, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
11. मूकनायक डॉ. अंबेडकर, संकलन एवं अनुवाद- श्यौराज सिंह बेचैन, गौतम बुक सेंटर
12. लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक, रचना भोला 'यामिनी', प्रभात प्रकाशन